



SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

Mobile : 997811886

(Affiliated to Mahatma University)

BALTORA, 722108, DIST. BANKURA, WEST BENGAL

E-mail : ncc14@gmail.com

Website : www.saltorancollege.org

Letter No. _____

Date _____

From :
Principal / _____

NOTICE

All the students of B.A PART-III (HONS. & Gen.), under The University of Burdwan are hereby informed that the Test Examination, 2019 will be held at the college premises from 21.01.2019 to 31.01.2019 as per the schedule given below.

BA. PART-III TEST EXAMINATION, 2019

EXAMINATION SCHEDULE

SUBJECT	PAPER	DATE	DAY	TIME
ALL HONS.	V	21.01.2019	MONDAY	11.00AM-3.00PM
ENGLISH (GEN.)	IV			11.00AM-2.00PM
ALL HONS.	VI	22.01.2019	TUESDAY	11.00AM-3.00PM
HISTORY (GEN.)	IV			11.00AM-2.00PM
ALL HONS.	VII	24.01.2019	THURSDAY	11.00AM-3.00PM
BENGALI (GEN.)	IV			11.00AM-2.00PM
ALL HONS.	VIII	25.01.2019	FRIDAY	11.00AM-3.00PM
SANTALI (GEN.)	IV			11.00AM-2.00PM
PHYSICAL EDUCATION (GEN.) & GEOGRAPHY (GEN.)	IV	28.01.2019	MONDAY	11.00AM-2.00PM
PHILOSOPHY (GEN.) & POLITICAL SCIENCE (GEN.)	IV			11.00AM-2.00PM
SANSKRIT (GEN.)	IV	29.01.2019	TUESDAY	11.00AM-2.00PM
ENVS	IV	30.01.2019	WEDNESDAY	11.00AM-2.00PM
		31.01.2019	THURSDAY	11.00AM-2.00PM

Teacher-in Charge

S. Sanyal
co-ordinator
Examination Committee

SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

TEST EXAMINATION - 2019

SANSKRIT (HONOURS)

PART - III

PAPER - V

TIME : 4 Hours

Full Marks- 100

1. নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে চারটি, 'খ' বিভাগ থেকে দুটি এবং 'গ' বিভাগ থেকে দুটি নিয়ে মোট আটটি প্রশ্নের উত্তর করতে হবে। আটটির মধ্যে যে কোনো চারটির উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

2x8=16

ক-বিভাগ

- অগ্নিসূক্তের ঋষি, ছন্দ, দেবতা এবং মন্ত্রসংখ্যা উল্লেখ করো।
- কোন দেবতার নিকট ঋষি অমিত বলের প্রার্থনা করেছেন? মন্ত্রাংশটির উল্লেখ করো।
- তোমার পাঠ্যাংশে উদ্ধৃত দুটি যুগ্মদেবতা এবং দুটি গণদেবতার নাম উল্লেখ করো।
- 'পুষা' সূক্তের দ্রষ্টা কে? 'পুষা' কাদের রক্ষার জন্য গমন করেন?
- কে কার কাছ থেকে মুখ্যভাবে ধনলাভ করে থাকে এবং কেন?
- দ্যুলোক হতে কোন দেবতা বৃষ্টি প্রদান করেন? সংশ্লিষ্ট মন্ত্রাংশটির উল্লেখ করো।
- হিরণ্যগর্ভ কেন 'সত্যধর্মা'? তাঁর প্রতি কীরূপ প্রার্থনা উচ্চারিত হয়েছে?

খ-বিভাগ

- 'মেধ্যঃ' শব্দের অর্থ কী? কখন পশু 'মেধ্য' হয়?
- অজীগর্ত কে ছিলেন? তাঁর কটি পুত্র ছিল?
- 'চরৈবেতি'- এই মন্ত্রের তাৎপর্য পরিস্ফুট কর?
- 'হরিশচন্দ্র-নারদবরণকথা' আখ্যানভাগটি কোথায় উপলব্ধ হয়? ঐ আখ্যানভাগের ঋষির নাম উল্লেখ কর। কেনই বা তাঁর এরূপ নামকরণ করা হয়েছে?

গ-বিভাগ

- 'কম্পস্বরঃ' কাকে বলে? কোন কোন সংখ্যার দ্বারা এটি সূচিত হয়?
- ঋগ্বেদের কোন মণ্ডলকে 'পবমান মণ্ডল' বলা হয়? উক্ত মণ্ডলটিকে এরূপ বলার কারণ কী?
- সামবেদের সংকলিত গানগুলি কয় শ্রেণীর? তাদের নাম উল্লেখ করো।

2. বন্ধনীর মধ্যে মূল বৈদিক শব্দগুলি দেখিয়ে নীচের যে কোনো দুটি মন্ত্রের ইংরাজী অথবা বাংলায় অনুবাদ করো :-

(2+4)=6x2=12

- अ॒क्षा॒सु इ॒द॒ङ्कु॒र्शिनो॑ नि॒तो॒दि॒नो
नि॒कृ॒त्वान॑स्त॒प॒नास्ता॑प॒यि॒ष्णावः॑।
कु॒मा॒रदे॑ष्णा॒ ज॒यतः॑ पु॒नर्ह॑णा
म॒ध्वा॒ संपृ॑त्ताः कि॒त॒वस्य॑ व॒र्हणा॑॥

ii) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे
भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां
कस्मै देवाय हविषा बिधेम॥

iii) यं क्रन्दसी संयती विह्वयेते
परेहवर उभया अमित्राः।
समानं चिद्रथमातस्थिवांसा
नाना हवेते स जनास ईन्द्रः॥

iv) अहं रुद्राय धनुरातनोमि
ब्रह्मद्विषे शरवे हन्तवा उ।
अहं जनाय समदं कृणो
म्यहं द्यावापृथिवी आविबेश॥

3. ऋषि, छन्द ओ देवतार उल्लेखपूर्वक नीचेर ये कोनो एकटि मञ्चेर सायनानुयायी व्याख्या
संस्कृत भाषाय लेखो। 2+4=6

i) मया सो अन्नमत्ति यो विपश्यति
यः प्राणिति य ईत शुणोत्युक्तम।
अमन्तबो मां त उप क्षियन्ति
श्रुधि श्रुतं श्रद्धिबं तै बदामि॥

ii) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व
उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्य छायामृतं यस्य मृत्युः
कस्मै देवाय हविषा बिधेम॥

4. अरुचिह्वेर यथायथ परिवर्तन देखिये 2 (iii) अथवा 2 (iv) के पदपाठे पुनराय लेख :- 2+4=6

5. नीचेर ये कोनो दूटिर संस्कृते टीका लेख :- 3+3=6

प्रातरनुबाक, निबन्धनीयसूक्तम्, सबनम्, सामिधेनी

ii) हिरण्यगर्भः समवतताग्रे
भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां
कस्मै देवाय हविषा बिधेम॥

iii) यं क्रन्दसी संयती विह्वयेते
परेहवर उभया अमित्राः।
समानं चिद्रथमातस्थिवांसा
नाना हवेते स जनास ईन्द्रः॥

iv) अहं रुद्राय धनुरातनोमि
ब्रह्मद्विषे शरवे हन्तवा उ।
अहं जनाय समदं कृणो
म्यहं द्यावापृथिवी आविबेश॥

3. ऋषि, छन्द ओ देवतार उल्लेखपूर्वक नीचेर ये कोनो एकटि मञ्चेर सायनानुयायी व्याख्या
संस्कृत भाषाय लेखो। 2+4=6

i) मया सो अन्नमत्ति यो विपश्यति
यः प्राणिति य ईत शुणोत्युक्तम।
अमन्तबो मां त उप क्षियन्ति
श्रुधि श्रुतं श्रद्धिबं तै बदामि॥

ii) य आत्मदा बलदा यसो विश्व
उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्य छायामृतं यस्य मृत्युः
कस्मै देवाय हविषा बिधेम॥

4. अरुचिह्वेर यथायथ परिवर्तन देखिये 2 (iii) अथवा 2 (iv) के पदपाठे पुनराय लेख :- 2+4=6

5. नीचेर ये कोनो दूटिर संस्कृते टीका लेख :- 3+3=6

प्रातरनुबाक, निबन्धनीयसूक्तम्, सबनम्, सामिधेनी

6. নিম্নলিখিত যে কোনো একটি প্রশ্নের উত্তর দাও :- 6
 'হিরণ্যগর্ভ' শব্দটির সায়নানুসারী অর্থ লেখ। তোমার পাঠ্যাংশ হতে হিরণ্যগর্ভসূক্তের দার্শনিক তাৎপর্য আলোচনা কর। 2+4=6
- অথবা
- তোমার পাঠ্য অক্ষসূক্তের বিষয়বস্তু উল্লেখ করে এটিকে ধর্মনিরপেক্ষসূক্ত বলা যায় কিনা দেখাও। 4+2=6
7. কোন্ পরিস্থিতিতে 'চরৈবেতি' মন্ত্র উপদিষ্ট হয়েছিল? তোমার পাঠ্য 'ইন্দ্রোহিতসংবাদঃ' অনুসারে সরল সংস্কৃতে দেবনাগরী হরফে উত্তর দাও। 2+10=12
8. a) পদপাঠে একই স্থানে 'ইতি' এবং 'অবগ্রহ'-এর প্রয়োগ দেখিয়ে দুটি উদাহরণ দাও :- 2
 b) নীচের যে কোনো দুটির সোদাহরণ টীকা লেখ :- 5x2=10
 i) বৈদিক অ-কারান্ত শব্দের রূপ
 ii) বৈদিক লেটলকার
 iii) বৈদিক লুঙলকার
9. নিম্নলিখিত যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :- 12x2=24
 a) 'দার্শনিকসূক্ত' বলতে কী বোঝ? ঋগ্বেদে প্রাপ্ত দার্শনিকসূক্তসমূহের বিশদ বিবরণ দাও। 2+10=12
 b) ব্রাহ্মণের সংজ্ঞা দাও এবং ব্রাহ্মণ সাহিত্যের সংক্ষিপ্ত আলোচনা পূর্বক ব্রাহ্মণের গুরুত্ব নির্দেশ কর। 2+6+4=12
 c) অথর্ববেদ সংহিতার একটি সংক্ষিপ্ত বর্ণনা দাও এবং এই সংহিতা 'ত্রয়ী'-র অন্তর্গত হওয়া উচিত কি না সে বিষয়ে মন্তব্য করো। 10+2=12
 d) i) ছটি বেদাঙ্গের নাম লেখ। যজ্ঞানুষ্ঠানের সঙ্গে সম্পর্কিত বেদাঙ্গগুলির নাম লেখ। 2
 ii) নীচের যে কোনো দুটির সংক্ষিপ্ত টিকা লেখো :- 5x2=10
 a) নিঘণ্টু
 b) শ্রৌতসূত্র
 c) সামবেদ সংহিতা
 d) ঋগ্বেদের সমাজে নারীদের স্থান

SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

TEST EXAMINATION - 2019

SANSKRIT (HONOURS)

PART - III

TIME : 4 Hours

PAPER - VI

Full Marks- 100

1. নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে তিনটি, 'খ' বিভাগ থেকে দুটি এবং 'গ' বিভাগ থেকে তিনটি নিয়ে মোট আটটি প্রশ্নের উত্তর করতে হবে।
আটটির মধ্যে যে কোনো চারটি উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে :-

2x8=16

ক-বিভাগ

- 'কাব্যালংকারসূত্রবৃষ্টিঃ' গ্রন্থের অন্ততঃ দুটি টীকার নামসহ দুজন টীকাকারের নাম লেখ।
- বামনকে অনুসরণ করে 'অলঙ্কার' শব্দের অর্থ দুটি ব্যাখ্যা কর।
- 'চূর্ণম্' এবং 'উৎকলিকাপ্রায়স্' পদদুটির পার্থক্য নির্দেশ করো।
- 'প্রকীর্ণ'-এর বিষয়ে যা জান লেখ।
- বামনের মতে 'সত্‌গাভ্যবহারী' পদের দুইটি অর্থ পরিষ্কার করো।

খ-বিভাগ

- 'কাব্যাদর্শ গ্রন্থের দুজন টীকাকার ও তাঁদের টীকার নাম লেখ।
- দণ্ডীরচিত 'কাব্যাদর্শ' গ্রন্থে উল্লিখিত 'পূর্বশাস্ত্র' এবং 'সংহত্য' পদ দুটির দ্বারা কী অর্থ বোঝানো হয়েছে?
- দণ্ডীর মতানুসারে প্রসাদ গণের লক্ষণ নির্দেশ করো।
- মিশ্রকাব্য কী? মিশ্রকাব্য দৃশ্যকাব্য না শ্রব্যকাব্য?

গ-বিভাগ

- অলংকারশাস্ত্রে উপমেয় এবং উপমান পদদ্বয়ের অর্থ কী?
- 'অতিশয়োক্তিঃ' অলংকারে উপমান-এর ভূমিকা লেখ।
- বিশ্বনাথ অনুসারে 'অপহুতি' অলংকারের লক্ষণ লেখ।
- 'শব্দালঙ্কার' এবং 'অর্থালঙ্কার' বলতে কী বোঝ?
- কোন অলঙ্কারে মিথ্যাঞ্জান হয়? অলংকারটির লক্ষণ লেখ।

2. a) কাব্যালংকারগুলির নাম লেখ। কাব্যের অঙ্গরূপে 'বিদ্যা' বলতে কী কী বোঝায়?

কাব্য রচনার ক্ষেত্রে বিদ্যার গুরুত্ব সম্পর্কে বামনের বক্তব্য আলোচনা করো। 2+2+8=12

অথবা

- b) আচার্য বামনকে অনুসরণ করে কাব্যের শ্রেণীবিভাগ বিষয়ে একটি নিবন্ধ রচনা করো। 12

অথবা

- c) বামনের মতে কাব্যের সংজ্ঞাটি কী? বামনকে অনুসরণ করে কবিদের ভেদ সম্পর্কে

আলোচনা করো।

2+10=12

3. नीचेर ये कोनो दुटि प्रश्नर उत्तर दाओ :- $12 \times 2 = 24$
- a) 'महाकाव्य' बलते की बोका ? दशुीर अनुसरणे महाकाव्येर वैशिष्ट्यगुलि लेख । $2 + 10 = 12$
- b) ग्राम्यता दोष सम्पर्के दशुीर मत आलोचना कर । काव्ये ग्राम्यता दोष परित्याग करा उचित केन ? $2 + 10 = 12$
- c) आचार्य दशुीर मते कविञ् शक्ति निर्माणे प्रयोजनीय कारणगुलि की की ? पूर्णञ्ज आलोचना लिपिबद्ध कर । $2 + 10 = 12$
- d) दशुीर मते वैदडीमार्ग सम्मत दशप्रकार गुण की की ? एदेर मध्ये 'माधुर्यगुण' सम्पर्के बिस्तृत आलोचना कर । $2 + 10 = 12$
4. कारण निर्देश पूर्वक ये कोनो दुटि श्लोकेर सरल संस्कृते अलंकार निर्णय करो :- $(5 + 1) \times 2 = 12$

- a) क्षीणः क्षीनोडपि शशी भूयो भूयोडभिबर्धते सत्यम् ।
विरम प्रसीद सुन्दरि यौवनमनिवर्ति यातं तु ॥
- b) आहवे जगदहशु राजमण्डल-राहवे ।
श्रीनृसिंह-महीपाल-स्वस्त्यस्तु तव बाहवे ॥
- c) त्वदंगमार्दवं द्रष्टुः कस्य चित्ते न भासते ।
मालती-शशभृल्लेखा-कदलीनां कठोरता ॥
- d) यदि स्यान्मण्डले सक्तमिन्दोरिन्दीवरद्वयम् ॥
तदोपमीयते तस्या बदनं चाहलोचनम् ॥

5. ये कोनो एकटि संस्कृते व्याख्या कर :- $6 \times 1 = 6$
- a) न कतकं पंकप्रसादनाय
- b) पूर्वे नित्याः
- c) कवित्वबीजं प्रतिभानम्

6. ये कोनो एकटि संस्कृते व्याख्या कर :- $6 \times 1 = 6$
- a) 'मण्डलीकृत्य बर्हाणि कण्ठैर्मधुरगीतिभिः ।
कलापिनः प्रनृत्यन्ति काले जीमूतमालिनि ॥'
- उद्धृतांशे कोनं गुणेर उल्लेख करा ह्येच्छे ? श्लोकटि व्याख्या कर ।
- b) 'ओजः समासभूयस्त्वमेतद् गद्यस्य जीवितम्'
- कोनं प्रसङ्गे एटि बला ह्येच्छे ? उक्तिटि व्याख्या कर ।
- c) 'संस्कृतं नाम दैवीबागन्वाञ्ज्यता महर्षिधिः'
- 'संस्कृतम्' पदेर यथार्थता सूत्रसह निर्णय करो । उक्तिटि व्याख्या कर ।
- d) 'ईह शिष्टानुशिष्टानां शिष्टानामपि सर्वथा वाचामेव प्रसादेन लोकयात्रा प्रवर्तते ।'
- उद्धृतांशे 'शिष्ट' पदेर अर्थ की ? श्लोकटि व्याख्या कर ।

- 7) निर्दशाना ओ दुष्टान्त अलंकारेर मध्ये पार्थक्य निर्देश करो । 6
अथवा
उत्प्रेक्षा ओ रूपक अलंकारेर मध्ये पार्थक्य निर्देश करो । 6
- 8) नीचेर ये कोनो दुटि अलंकार व्याख्या कर :- $6 \times 2 = 12$
अतिशयोक्तिः, अर्थान्तरन्यासः, प्रतिबस्तूपमा, परिणामः

SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

TEST EXAMINATION - 2019

SANSKRIT (HONOURS)

PART - III

TIME : 4 Hours

PAPER - VII

Full Marks- 100

1. নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে তিনটি, 'খ' বিভাগ থেকে তিনটি, 'গ' বিভাগ থেকে একটি এবং 'ঘ' বিভাগ থেকে একটি নিয়ে মোট আটটি প্রশ্নের উত্তর করতে হবে। তার মধ্যে চারটি উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় করতে হবে :-

2x8=16

ক-বিভাগ

- রাজার মৌলিক কর্তব্যগুলি কী কী?
- মনুর মতে দুর্গের বিভিন্ন প্রকারগুলি কী কী?
- 'তৌর্যত্রিক' শব্দটির অর্থ কী?
- 'জাঙ্গলদেশ' শব্দটি ব্যাখ্যা কর?
- 'দশী' অথবা 'কুল' সম্পর্কে লেখ?

খ-বিভাগ

- 'শুকনাসোপদেশঃ' পাঠ্যাংশটি কার রচনা? পাঠ্যাংশটি কোন্ রচনা থেকে গৃহীত হয়েছে?
- 'কাদম্বরী'-র কথারস্ত্র শ্লোকানুসারে 'কথা' শ্রেণীর গদ্যকাব্যের বর্ণনা দাও?
- 'কাদম্বরী' শব্দের অর্থ কী? কাদম্বরীর উত্তরার্ধের রচয়িতা কে?
- শুকনাস কখন কার উদ্দেশ্যে উপদেশ দেন?
- বিনয়ের দ্বারা কে ব্রাহ্মণত্ব অর্জন করেছিলেন?

গ-বিভাগ

- অর্থশাস্ত্রে 'অর্থ' শব্দের অর্থ কী? গ্রন্থটির রচনাকাল নির্দেশ করো?
- অমাত্য নিয়োগ বিষয়ে 'বাহুদন্তীপুত্র'-র মতটি আলোচনা কর?

ঘ-বিভাগ

- রুদ্রদামন কোন্ বংশের রাজা? তার রাজ্য কতদূর বিস্তৃত ছিল?
- রুদ্রদামনের গীর্গার লেখোদ্ধৃত মৌর্যরাজ্যদ্বয়ের নাম লেখো? চপ্টন কে ছিলেন?

2. নিম্নলিখিত যে কোনো একটির বাংলা অথবা ইংরাজিতে অনুবাদ কর :-

6

- হিরণ্যগর্ভা ভবনান্তকাদিব ধ্রুপাকরঃ ধীরমহার্ণবাদিব। অমৃতসুপর্নো বিনতোদরাদিব দ্বিজন্মনামর্থপতিঃ পতিস্ততঃ।।
- एवंविधापि चानया दुराचारया कथमपि देववशेन परिगृहीता बिक्रवा भवन्ति राजानः सर्वारिनयाधिष्ठानतांच गच्छन्ति। तथाहि अभिषेकसमय एवैषां मंगलकलशजलैरिव प्रक्षाल्यते दाक्षिण्यम्। अग्निकर्षधुमेनेव मलिनीभवति हृदयम्। पुरोहितकुशाग्रसंमार्जनीभिः इवापनीयते क्षान्तिः।

3. সরল সংস্কৃতে ব্যাখ্যা কর (যে কোনো একটি) :-

- i) গুরুদেবায়ন নাম পুরুষাণামখিলমলপ্রক্ষালনধামমজলং স্নানম্।
ii) অপরিণামোপশমো দারুণো লক্ষ্মীমদ: কষ্টমজ্জনবর্তিসাধ্যমপরমৈশ্বর্যমিতিরান্ধত্বম্।।

6

4. সরল সংস্কৃতে ব্যাখ্যা কর (যে কোনো একটি) :-

- i) ঝালোহপি নাবমন্তব্যো মনুষ্য ইতি ভূমিপ:।
মহতী দেবতা হ্যোষা নরূপেণ তিষ্ঠতি:।।
ii) যদি ন প্রণয়েৎ রাজা দণ্ডং দণ্ডয়েচ্ছতন্দিত:।
শুলে মতস্যানিবপঞ্চয়ন্ দুর্বলান্ বলবন্তরা:।।

6

5. যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :-

6x2=12

- i) 'দশু' পদের ব্যুৎপত্তি নির্ণয় করো এবং ব্যুৎপত্তিগত অর্থ লেখ। কেন 'দশু' কে ধর্ম বলেছেন মনু?
ii) মনুর বক্তব্য অনুসারে ব্যাসন সম্পর্কে লেখ।
iii) ষাড়গুণ্য কী? রাজা কাদের সঙ্গে ষাড়গুণ্য বিষয়ে মজ্ঞা করবেন?
iv) মনুর নির্দেশিত যুদ্ধনীতি বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখ।

1+1+4=6

6

1+5=6

6

6

6. নিম্নোদ্ধৃত অংশের অর্থ লেখ :-

- i) স্বদুতৈ: কাযেদেতৎ পরদুতাংহু রহ্ময়েৎ।
প্রতিদুতাপসপাম্ভ্যাং দৃষ্যাদৃষ্যৈহু রহ্মিমি:।।
ii) যাবদ্ব্যো গৃহ্যমাচষ্ট জনেভ্যো পুরুষাধিপ:।
অবহয়: কর্মণা তেন বহয়ৌ ভবতি তাবতাম্।।

7. যে কোনো একটির সরল সংস্কৃতে উত্তর লেখ :-

12

- i) 'কাদম্বরী' গ্রন্থের রচয়িতা কে? তাঁর রচিত অপর গ্রন্থটির নাম কী? 'কাদম্বরী' থেকে সংকলিত তোমার পাঠ্যাংশের আলোকে 'বাণোচ্ছিন্নং জগত্ সর্বম্' মন্তব্যটির আলোচনা করো।
ii) রাজারা কীভাবে 'ধৃত'-দের দ্বারা প্রতারিত হতেন? 'শুকনাসোপদেশঃ' পাঠ্যাংশ অনুসারে উত্তর দাও।

1+1+10=12

2+10=12

8) সুবিশাখ কে ছিলেন? সুদর্শন হ্রদের পুনর্নির্মাণের ক্ষেত্রে সুবিশাখের অবদান বর্ণনা করো এবং লেখটির সাহিত্যিক মূল্য নিরূপণ করো।

2+5+5=12

অথবা

'সাতকর্পী' কে ছিলেন? রুদ্রদামনের শিলালেখের বিষয় সংক্ষেপে বর্ণনা কর এবং লেখটির ঐতিহাসিক গুরুত্ব নির্দেশ করো।

2+5+5=12

9) 'দুর্গ' শব্দের অর্থ কী? মনুর মতে 'দুর্গ' কয় প্রকার ও কী কী? মনুর মতানুসারে দুর্গগুলির বিস্তৃত আলোচনা করো।

1+1+10=12

অথবা

প্রাচীন ভারতে মনুর করব্যবস্থা বর্ণনা কর। কারিগরদের নিকট থেকে একজন রাজা কীভাবে কর আদায় করতেন?

2+10=12

10) কৌটিল্য কীভাবে দূতের শ্রেণীবিভাগ করেছেন? তাদের গুণ ও কার্যাবলী আলোচনা করো। গুটপূরুষ ও দূত-এর মধ্যে পার্থক্য নিরূপণ করো।

2+8+2=12

অথবা

যে কোনো তিনটির উপর টীকা লেখো :

4x3=12

- a) বাতব্যাদি
b) বাহুদন্তীপুত্র
c) কৃত্য-অকৃত্য
d) আক্রন্দ
e) পার্শ্বগ্রাহ
f) তাপসব্যঞ্জনম্

SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

TEST EXAMINATION - 2019

SANSKRIT (HONOURS)

PART - III

TIME : 4 Hours

PAPER - VIII

Full Marks- 100

1. নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে পাঁচটি, 'খ' বিভাগ থেকে তিনটি নিয়ে মোট আটটি প্রশ্নের উত্তর করতে হবে। আটটির মধ্যে যে কোনো চারটির উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে :-

2x8=16

ক-বিভাগ

- 'তর্কসংগ্রহ'-এ কীভাবে মঙ্গলাচরণম বর্ণিত হয়েছে দেখাও।
- তর্কসংগ্রহ শব্দের ব্যুৎপত্তি নির্ণয় করো। তর্কপদের অর্থ নির্ণয় করো।
- তর্কসংগ্রহ গ্রন্থে পদার্থের তালিকায় সপ্তম পদার্থ কোনটি? এর প্রকারভেদগুলি কী কী?
- তর্কসংগ্রহ অনুসারে 'তেজ' দ্রব্যের প্রকারভেদগুলি সোদাহরণ উল্লেখ করো।
- সামান্য-এর প্রকারভেদগুলি সোদাহরণ আলোচনা কর।
- প্রত্যক্ষ প্রকরণে উল্লিখিত 'সম্বন্ধ' শব্দের অর্থ কী? এর প্রকারভেদগুলি উল্লেখ করো।
- পরার্থানুমান কাকে বলে? এই অনুমানে পঞ্চবয়বাক্যগুলি কী কী?
- ব্যাপ্তির সংজ্ঞা নিরূপণ কর ও উদাহরণ দাও।
- স্মৃতিঃ- এর লক্ষণে 'সংস্কার' শব্দটির অর্থ নিরূপণ করো।

খ-বিভাগ

- বেদান্তসার অবলম্বনে 'বেদান্ত' শব্দের অর্থ নিরূপণ কর।
- বেদান্তসার গ্রন্থের মঙ্গলাচরণ শ্লোকটি উল্লেখ করো।
- অনুবন্ধ শব্দের অর্থ কী? অনুবন্ধগুলির নাম লেখ।
- সদানন্দযোগীন্দ্র-এর মতানুসারে 'অজ্ঞান'-এর লক্ষণ কী?
- বেদান্তসার অবলম্বনে পঞ্চীকরণের সংজ্ঞা দাও।

2. তর্কসংগ্রহ গ্রন্থ অবলম্বনে নিম্নলিখিত যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :- 6x4=24

- a) অন্নভট্টের মতে দ্রব্য কয়টি? তাদের নাম লেখ। তমঃ-কে কি অতিরিক্ত দ্রব্য বলা চলে? 2+4=6

- b) 'পৃথিবী' বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখ।

- c) অন্নভট্টের অনুসরণে বিভিন্ন প্রকার অভাবের সংজ্ঞা দাও এবং উপযুক্ত উদাহরণ উল্লেখ কর। 2+4=6

- d) লিঙ্গং ত্রিবিধম্- অল্পব্যতিরেকি, কেবলাল্পমি, কেবলব্যতিরেকি চেতি। 6

- e) প্রত্যক্ষ-এর সংজ্ঞাটি ব্যাখ্যা করো। এর বিভাগগুলি উদাহরণ সহ আলোচনা করো। 2+4=6

- f) তর্কসংগ্রহ অনুসরণে ব্যাপ্তি-এর স্বরূপ ব্যাখ্যা করো। অনুমিতি-র ক্ষেত্রে এর কী প্রয়োজন? 4+2=6
- g) উপমান প্রমাণের পরিচয় দাও এবং ন্যায়দর্শন-এ তার উপযোগিতা আলোচনা করো। 6
- h) কারণের সংজ্ঞা দাও। কারণের প্রকারভেদগুলি উদাহরণ সহ আলোচনা করো। 2+4=6
3. সদানন্দযোগীন্দ্র-এর মতানুসারে যে কোনো দুটি প্রস্তরের উত্তর দাও :- 6x2=12
- a) একই 'ঈশ্বর' কীভাবে জগতের নিমিত্তকারণ ও উপাদানকারণ হলেন তা ব্যাখ্যা কর।
বেদান্তসার গ্রন্থাবলম্বনে ঈশ্বরের বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর। 4+2=6
- b) পরিণাম ও বিবর্ত কাকে বলে? জগৎ ব্রহ্মের পরিণাম অথবা বিবর্ত তা সংক্ষেপে আলোচনা করো। 2+4=6
- c) স্বরূপ বর্ণনা করো- 'বিশ্ব:', 'তৈজস:', 'প্রাজ্ঞ:'। 2+2+2=6
- d) বেদান্তসার গ্রন্থে আলোচিত 'সূক্ষ্মরীর'-এর বর্ণনা দাও। এই প্রসঙ্গে মনঃ ও বুদ্ধি বলতে কী বোঝ তা লেখ। 4+2=6
4. 'হেতুভাব' শব্দের দ্বারা কী বোঝো? এর বিভিন্ন প্রকারগুলির নাম উল্লেখ কর এবং যে কোনো দুটির আলোচনা করো। 2+2+8=12

অথবা

'অন্নংভট্ট'-এর অনুসরণে সমবায়-এর উপর একটি পূর্ণাঙ্গ নিবন্ধ রচনা করো এবং সংযোগ থেকে তার পার্থক্য পর্যালোচনা করো। 8+4=12

5. বেদান্তের অধিকারী কে? 'বেদান্তসার' অবলম্বনে 'অধিকারী'-র বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা করো। 2+10=12

অথবা

অজ্ঞানের সংজ্ঞা লেখ ও বেদান্তসার অবলম্বনে অজ্ঞানের স্বরূপ আলোচনা করো। 2+10=12

6. নিম্নলিখিত বিষয়গুলির মধ্যে যে কোনো একটি বিষয়ের উপর সংস্কৃতে নিবন্ধ লেখ :- 12x1=12

- a) স্বামী বিবেকানন্দ:
b) তব প্রিয়: কবি:
c) পরিবেষদূষণ তত্প্রতিকারহীন
d) বর্তমানে ভারতবর্ষে সংস্কৃতশিক্ষায়া উপযোগ:

7. নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটির যে কোনো একটি সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে সারাংশ লেখ :- 10+2=12

স্বদেশ প্রতি ঐকান্তিকানুরাগস্য বিকাশ এব স্বদেশিকতা। স্বদেশস্য মাধ্যম্য আহারে বা আচারে বা গীতৌ বা ঐকান্তিকী আসক্তিরেব স্বদেশিকতায় নিদর্শনম্। ন হি বৈদেশিকী মাধ্যম্য বা নীতিবা বৈদেশিকী ধর্মো বা বৈশ্যো বা স্বদেশপ্রেমিকস্য হৃদয়ে পদং করোতি। স্বদেশস্য সমুন্নতাবেব মনাসি সম্যকতয়া গর্ভাত্তুল্লাসি শ্ববন্তি দেশপ্রেমিকানাং। স্বদেশপ্রেমবিগলিতচিত্তা এব মাতৃমূমে: স্কৃতিনো ব্ধাধরা:।

অথবা

সকাম-নিষ্কাম-মেদেন মনুষ্যমাত্রস্য প্রার্থনাপি মিচ্ছতে। ধ্রুবস্য প্রহ্লাদস্য চ প্রার্থনা প্রবিক্রম্যতে। ধ্রুব: সকাম: সাধক:। ঝিমাটু: তীরেণ অবমানবাক্যেন আহত: পঞ্চবর্ষীযো ঝালক: সুদুষ্করং তপ: তপ্তবান্। স স্বকীয়ং বৃহসংকল্পম্ অঘোষয়ত্ নান্যদন্যং স্ত্যানমহম্ অর্শীস্যামি। স্বকর্মণা অহং তত্ স্ত্যানং যাবে, যত্ মম পিতা অপি ন প্রাপ্তবান্।

SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

TEST EXAMINATION - 2019

SANSKRIT (HONOURS) (GENERAL)

PART - III

PAPER - IV

TIME : 4 Hours

Full Marks- 100

1. নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে তিনটি, 'খ' বিভাগ থেকে তিনটি, 'গ' বিভাগ থেকে একটি এবং 'ঘ' বিভাগ থেকে একটি নিয়ে মোট আটটি প্রশ্নের উত্তর করতে হবে।

2x8=16

ক-বিভাগ

- ঋগ্বেদে কতগুলি মণ্ডল আছে? ঋগ্বেদে প্রথমে কোন্ দেবতার স্তুতি দেখা যায়?
- সংজ্ঞানসূক্ত-র প্রকৃতি নির্দেশ কর? 'সমানী ব আকৃতিঃ' -এখানে অকৃতি শব্দের অর্থ কী?
- তোমাদের পাঠ্য 'বৃষ্টিসূক্ত'-র দ্রষ্টা কে? 'সুদানবঃ' শব্দের অর্থ কী?
- 'মনুমৎস্যকথা' কাহিনীটির উৎস কী? 'অথোতিথীং সমাং তদৌঘ আগস্তা'- এই অংশে 'ইতিথী' এবং 'ঔঘ' শব্দ দুটির অর্থ কী?
- বৈদিক পরিভাষায় 'সূক্ত' কথাটির অর্থ কী? বেদে 'ধমনিরপেক্ষ সূক্ত' বলতে কী বোঝ?

খ-বিভাগ

- কাব্যের অলংকারকে কি স্থির ধর্ম বলা সঙ্গত হবে? তোমার উত্তরের সমর্থনে যুক্তি দাও।
- উপমেয়, উপমান এবং সাধারণ ধর্ম বলতে কী বোঝ?
- শ্লেষ বলতে কী বোঝ? উদাহরণ সহ শ্লিষ্ট শব্দের অর্থ লেখ।
- উৎপ্রেক্ষা অলংকারের প্রধান বৈশিষ্ট্য কী?
- অর্থান্তরন্যাস শব্দটির অর্থ কী? অর্থান্তরন্যাস অলংকারের সংজ্ঞা দাও।

গ-বিভাগ

- একজন দক্ষ শাসন লেখকের কী কী গুণ থাকে?
- কিভাবে রাজার গোপন মন্ত্রণা প্রকাশ হয়ে যেতে পারে?

গ-বিভাগ

- মনুসংহিতা-র কতগুলি অধ্যায় আছে? মনুসংহিতা-র একজন বিখ্যাত টীকাকারের নাম উল্লেখ করো।
- রাজাকে 'মহতী দেবতা' বলা হয়েছে কেন? কতজন দেবতার সার্বভূত অংশ নিয়ে রাজা সৃষ্ট হন?

2. নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :-

12x4=48

- a) 'স ঐঘ উত্থিতৈ নাবমাঽদে' - এই পঙ্ক্তিটির উৎস কী? এখানে বক্তা কে?

'স' বলতে কাকে বোঝানো হয়েছে? তার নৌকায় চড়ার পিছনের কাহিনীটি

বিবৃত করো।

1+1+1+9=12

অথবা

অক্ষসূক্তটি কোন্ মণ্ডলের অন্তর্গত? অক্ষগুলি किसের তৈরী? অক্ষসূক্তের বর্ণনা অনুযায়ী অক্ষক্রীড়া কেমন করে অক্ষক্রীড়ককে দুর্দশাগ্রস্ত করে তোলে তার সংক্ষিপ্ত বিবরণ দাও।

1+1+10=12

b) 'ব্যসন' বলতে কী বোঝ? মনুসংহিতা অনুসারে 'ব্যসন'-এর বিভাগসমূহ উল্লেখ পূর্বক তার স্বরূপ, প্রভাব ও পরিণাম সম্পর্কে আলোচনা কর। 'ব্যসন' কে মৃত্যুর থেকে দূরস্ত বলা হয় কেন?

1+1+9+1=12

অথবা

'দণ্ড' শব্দের ব্যুৎপত্তি নির্ণয় করো। 'দণ্ড' কে ধর্মের প্রতিভূ বলা হয় কেন? কে কখন কেন 'দণ্ড' কে সৃষ্টি করেছেন? সঠিকভাবে দণ্ড প্রয়োগ করতে হলে রাজার কোন্ কোন্ গুণ থাকা আবশ্যিক? তোমার পাঠ্য মনুসংহিতা অবলম্বনে 'দণ্ড'-এর স্বরূপ ও গুরুত্ব সম্পর্কে লেখ।

1+1+1+1+8=12

c) 'পঞ্চমঙ্গল' কী? 'মন্ত্রণা'-র জন্য কী ধরনের স্থানের নির্দেশ করা হয়েছে? কৌটিল্য কীভাবে তাঁর পূর্বসূরীদের মত খণ্ডন করে মন্ত্রণা সম্পর্কিত বিষয়ে নিজ মত প্রতিষ্ঠিত করেছেন?

2+2+8=12

অথবা

'শাসনপ্রধানা হি রাজান' - এই বক্তব্যের মধ্য দিয়ে কৌটিল্য কী বোঝাতে চেয়েছেন? শাসন রচনার উদ্দেশ্য কী কী? অর্থশাস্ত্র অনুসারে শাসন-এর গুণ ও দোষ বর্ণনা কর?

2+2+8=12

d) 'সাহিত্যদর্পণ' গ্রন্থের রচয়িতা কে? 'সাহিত্যদর্পণ' গ্রন্থে কতগুলি অধ্যায় আছে? 'অলংকার' শব্দের ব্যুৎপত্তিগত অর্থ কী? উদাহরণসহ দীপক ও তুল্যযোগিতা অলংকারের সংজ্ঞা উল্লেখ করে বিশ্লেষণ কর।

1+1+2+8=12

অথবা

কাব্যে অলংকারের প্রধান বিভাগগুলি কী কী? প্রতিটি বিভাগের একটি করে দৃষ্টান্ত দাও। উপমা ও নিদর্শনা অলংকারের পার্থক্য লেখ।

1+1+10=12

3. a) নিম্নলিখিত মন্ত্রগুলির যে কোনো একটির ঋষি, ছন্দ ও দেবতা উল্লেখ করে বাংলা অথবা ইংরাজী অথবা হিন্দী অনুবাদ কর।

4+2=6

i) অগ্নির্হোতা কবিরূপু: সত্যহিঞ্চনপ্রবস্তম:।
দেবো দেবৈর্মিযোগমত্।।

ii) সমানী ব আকৃতি: সমানা হৃদয়ানি ব:।
সমানমস্তু বো মনো যথা ব: সুসহাসতি।।

3. b) নিম্নলিখিত শ্লোকগুলি থেকে যে কোনো একটির প্রসঙ্গ নির্দেশপূর্বক সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা কর :-

4+2=6

i) অরাজকে হি লোকেডস্মিন্ সর্বতো বিদ্রুতে ভয়াত্।
রক্ষার্থমস্য সর্বস্য রাজানমসৃজত্ প্রমু:।।

ii) স রাজা পুরুষো দণ্ড: স নেতা শাসিতা চ স:।
চতুর্ণামাপ্রমানান্ন ধর্মস্য প্রতিমু: স্মৃত:।।

3. c) নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটির উত্তর দাও :-

6x2=12

i) 'সংস্কৃতধ্বংসং সংবদধ্বম্' - কোন্ সূক্ত থেকে এই অংশটি উদ্ধৃত হয়েছে? ঐ সূক্তের ঋষি, ছন্দ ও দেবতা উল্লেখ পূর্বক ঐ সূক্ত অবলম্বনে 'একতা'-র জন্য প্রার্থনা বর্ণনা কর।

1+1+4=6

ii) বৃষ্টিসূক্ত-এর উৎস কী? তোমার পাঠ্যাংশ অবলম্বনে বর্ষাপ্রকৃতির বাণীচিত্র অঙ্কন কর।

1+5=6

iii) উৎস ও প্রসঙ্গ নির্দেশ পূর্বক নিজ ভাষায় ব্যাখ্যা কর :-
অধীর্মা দীব্য কৃষিমিত্ কৃষস্ব বিত্তে রমস্ব বহুমন্যমান:।
তত্র গাব: কিতব তত্র জায়া তন্মে বিচষ্টে সবিতায়মর্য:।।

2+4=6

3. d) নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো একটির উত্তর দাও :-

6x1=6

i) অতিশয়োক্তি শব্দটির অর্থ কী? উদাহরণসহ অতিশয়োক্তি অলংকারের সংজ্ঞা দাও।

2+4=6

ii) 'দৃষ্টান্ত' অলংকারের সংজ্ঞা সহ উদাহরণ দাও।

2+4=6

3. e) নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির যে কোনো একটির উত্তর দাও :-

6x1=6

i) উপায়চতুষ্টয় কী? অর্থশাস্ত্রানুসারে বিভিন্ন প্রকার 'উপায়' নিয়ে আলোচনা করো।

1+5=6

ii) 'কুলং দহতি রাজামি: সপশুদ্রব্যসঞ্জয়ম্' - এই অংশটি কোথা থেকে উদ্ধৃত হয়েছে? উক্তিটির তাৎপর্য বিশ্লেষণ কর।

1+5=6

Saltora Netaji Centenary College

3rd Year Test Examination, 2019 (2018-19)

Subject- SNSH Paper- V date- 21.01.19 Room No. 4

Sl	Name	Roll No	Signature	Marks
1	ROKIBA KHATUN	91	Rokiba Khatun	07
2	SHYAMA PADA MAJI	230	Shyama pada Maji	14
3	SATHI MONDAL	427	AB	
4	AVISHEK BANERJEE	445	Avishek Banerjee	27
5	SOMA MODAK	447	Soma Modak	19
6	SONALI BAURI	450	Sonali Bauri	24
7	SUSMITA SAREN	451	Susmita Saren	26
8	SHEPHALI TUDU	452	AB	
9	SUSANTA KARMAKAR	454	Susanta Karmakar	14
10	JAYANTI BAURI	468	Jayanti Bauri	12
11	BANASHREE MANDAL	470	Banashree Mandal	22
12	PURNIMA KUNDU	471	Purnima Kundu	22
13	MITALI AKHULI	472	Mitali Akhuli	26
14	SADHANA MURMU	489	Sadhana Murmu	16
15	SONALI MONDAL	490	Sonali Mondal	15
16	BIKRAM KUNDU	492	Bikram Kundu	22
17	MAMPI GHOSHAL	497	Mampi Ghoshal	26
18	SNEHA BANERJEE	498	AB	
19	MITA MAJI	499	Mita Maji	09
20	PRIYANKA BAURI	500	Priyanka Bauri	09
21	TUKU GORAI	535	Tuku Gorai	07
22	MOUSUMI GORAI	555	Mousumi Gorai	08
23	AVIJIT SINGHA	567	Avisit Singha	21
24	TUMPA MONDAL	570	Tumpa Mondal	17
25	JHILIK PAUL	572	Jhilik Paul	11
26	SUBHA ROY	586	AB	

27	RAHUL KEORA	589	Rahul Keora	05
28	UJJWAL MANDI	604	AB	
29	UTPAL ACHARJEE	612	Utpal Acharjee	17
30	SUJAY GARAI	617	Sujay Garai	07

~~Somenath Halder~~

Somenath
21-01-19

Somenath
24/01/19

Saltora Netaji Centenary College

3rd Year Test Examination, 2019 (2018-19)

Subject- SNSH Paper- V date- 22.01.19 Room No. 4

Sl	Name	Roll No	Signature	Marks
1	ROKIBA KHATUN	91	Rokiba Khatun	05
2	SHYAMA PADA MAJI	230	Shyama pada Maji	07
3	SATHI MONDAL	427	AB	
4	AVISHEK BANERJEE	445	Avishek Banerjee	15
5	SOMA MODAK	447	Soma Modak	05
6	SONALI BAURI	450	Sonali Bauri	12
7	SUSMITA SAREN	451	AB	
8	SHEPHALI TUDU	452	AB	
9	SUSANTA KARMAKAR	454	Susanta Karmakar	04
10	JAYANTI BAURI	468	Jayanti Bauri	07
11	BANASHREE MANDAL	470	Banashree mandal	14
12	PURNIMA KUNDU	471	Purnima Kundu	18
13	MITALI AKHULI	472	Mitali Akhuli	20
14	SADHANA MURMU	489	Sadhana Murmu	06
15	SONALI MONDAL	490	Sonali Mondal	07
16	BIKRAM KUNDU	492	Bikram Kundu	03
17	MAMPI GHOSHAL	497	Mampi Ghoshal	23
18	SNEHA BANERJEE	498	AB	
19	MITA MAJI	499	Mita Maji	10
20	PRIYANKA BAURI	500	Priyanka Bauri	09
21	TUKU GORAI	535	Tuku Gorai	08
22	MOUSUMI GORAI	555	Mousumi Gorai	00
23	AVIJIT SINGHA	567	Avisit Singha	09
24	TUMPA MONDAL	570	Tumpa Mondal	11
25	JHILIK PAUL	572	Jhilik Paul.	03
26	SUBHA ROY	586	Subha Roy	02

27	RAHUL KEORA	589	Rahul Keora	04
28	UJJWAL MANDI	604	AB	
29	UTPAL ACHARJEE	612	Utpal Acharjee	06
30	SUJAY GARAI	617	Sujay Garai	03
	SOMENATH HALDER IGAH	49	somenath Halder	10

Dalein Dhanjais 21/01/19

M. K. 22/01/19

Saltora Netaji Centenary College

3rd Year Test Examination, 2019 (2018-19)

Subject- SNSH Paper-VII date- 24.05.19 Room No. 4

Sl	Name	Roll No	Signature	Marks
1	ROKIBA KHATUN	91	Rokiba Khatun	08
2	SHYAMA PADA MAJI	230	Shyama pada Maji	14
3	SATHI MONDAL	427	AB	
4	AVISHEK BANERJEE	445	Avishek Banerjee	20
5	SOMA MODAK	447	Soma Modak	02
6	SONALI BAURI	450	Sonali Bauri	19
7	SUSMITA SAREN	451	AB	
8	SHEPHALI TUDU	452	AB	
9	SUSANTA KARMAKAR	454	Susanta Karmakar	16
10	JAYANTI BAURI	468	Jayanti Bauri	13
11	BANASHREE MANDAL	470	Banashree mandal	23
12	PURNIMA KUNDU	471	Purnima Kundu	24
13	MITALI AKHULI	472	Mitali Akhuli	26
14	SADHANA MURMU	489	Sadhana Murmu	15
15	SONALI MONDAL	490	Sonali Mondal	20
16	BIKRAM KUNDU	492	Bikram Kundu	19
17	MAMPI GHOSHAL	497	Mampi Ghoshal	13
18	SNEHA BANERJEE	498	AB	
19	MITA MAJI	499	Mita Maji	11
20	PRIYANKA BAURI	500	Priyanka Bauri	07
21	TUKU GORAI	535	Tuku Gorai	16
22	MOUSUMI GORAI	555	Mousumi Gorai	04
23	AVIJIT SINGHA	567	Avisit Singha	20
24	TUMPA MONDAL	570	Tumpa Mondal	17
25	JHILIK PAUL	572	Jhulik Paul	09
26	SUBHA ROY	586	Subha Roy	10

27	RAHUL KEORA	589	Rahul Keora	08
28	UJJWAL MANDI	604	AB	
29	UTPAL ACHARJEE	612	Utpal Acharjee	21
30	SUJAY GARAI	617	সুজয় গারাই	09
31	SOMNATH HALDER	49	Somnath Halder	10

Pratikas
24.01.19
24.01.19

Saltora Netaji Centenary College

3rd Year Test Examination, 2019 (2018-19)

Subject- SNSH Paper- VIII date- 25.01.19 Room No. 4

Sl	Name	Roll No	Signature	Marks
1	ROKIBA KHATUN	91	Rokiba Khatun	09
2	SHYAMA PADA MAJI	230	Shyama pada Maji	07
3	SATHI MONDAL	427	AB	
4	AVISHEK BANERJEE	445	Avishek Banerjee	21
5	SOMA MODAK	447	Soma Modak	10
6	SONALI BAURI	450	Sonali Bauri	12
7	SUSMITA SAREN	451	AB	
8	SHEPHALI TUDU	452	AB	
9	SUSANTA KARMAKAR	454	AB	
10	JAYANTI BAURI	468	Jayanti Bauri	02
11	BANASHREE MANDAL	470	Banashree Mandal	12
12	PURNIMA KUNDU	471	Purnima Kundu	15
13	MITALI AKHULI	472	Mitali Akhuli	22
14	SADHANA MURMU	489	Sadhana Murmu	02
15	SONALI MONDAL	490	Sonali Mondal	10
16	BIKRAM KUNDU	492	Bikram Kundu	02
17	MAMPI GHOSHAL	497	Mampi Ghoshal	25
18	SNEHA BANERJEE	498	AB	
19	MITA MAJI	499	Mita Maji	06
20	PRIYANKA BAURI	500	Priyanka Bauri	08
21	TUKU GORAI	535	Tuku Gorai	11
22	MOUSUMI GORAI	555	Mousumi Gorai	00
23	AVIJIT-SINGHA	567	Avisit Singha	10
24	TUMPA MONDAL	570	Tumpa Mondal	11
25	JHILIK PAUL	572	Jhilik Paul	03
26	SUBHA ROY	586	Subha Roy	06

27	RAHUL KEORA	589	Rahul Keora R	06
28	UJJWAL MANDI	604	AB	
29	UTPAL ACHARJEE	612	Utpal Acharjee	09
30	SUJAY GARAI	617	Sujay Garai	04
31	Somnath Halder	49	Somnath Halder	10

Total-25

Ripadno
25-1-19

Saltora Netaji Centenary College

3rd Year Test Examination, 2019 (2018-19)

Subject-SNSG Paper-IV date- 30-01-19 Room - 4

Sl	Name	Roll No	Signature	Marks
1	BANASHREE MAJI	26	Banashree Maji	18
2	RAIMONI MURMU	61	Raimoni Murmu	04
3	LAXMIPRIYA GORAIN	71	Laxmi Priya Gorain	00
4	RITA KORA	92	Rita Kora	03
5	SWATI MONDAL	158	Swati Mondal	01
6	SOMA GOSWAMI	159	AB	
7	JAYANTI HEMBRAM	164	Jayanti Hembram	13
8	SUBHAJIT KARMAKAR	168	AB	
9	SUCHITRA MURMU	177	Suchitra Murmu	02
10	PURNIMA MURMU	186	Purnima murmu	06
11	ANJANA MUDIKORA	196	Anjana mudikora	01
12	SUMITRA HEMBRAM	217	AB	
13	SIKHA SHAW	266	Sikha Shaw	01
14	LAB KISKU	281	AB	
15	KRISHNAKANTA PARAMANIK	289	Krishnakanta Paramanik	30
16	PRANATI MANDI	326	Pranati Mandi	08
17	LAKHIRAM MURMU	337	AB	
18	PURNIMA TUDU	341	AB	
19	SARASWATI MURMU	343	Saraswati Murmu	00
20	PRASANTA MADDI	354	Prasanta Maddi	05
21	JAYANTI TUDU	362	AB	
22	RUPALI KISKU	364	Rupali Kisku	08
23	LAKSHMI MODAK	377	Lakshmi Modak	02
24	MADHABI TUDU	379	Madhavi Tudu	00
25	NIRMAL HANSDA	595	Nirmal Hansda	00
26	SANAKA HANSDA	610	Sanaka Hansda	01
27	LAXMI KANTA SOREN	687	Laxmikanta Soren	02

Total Present - 20
Absent - 07

Kpatra
30-1-19
AB

Saltora Netaji Centenary College

B.A Semester I(Hons) Examination 2019 (Test) - 2019-20

Sanskrit

Subject Code: 10901

Course code: AHSNS/101C-1

Course Title-Classical Sanskrit Literature (Poetry) & Chanda

Full Marks- 40

Time- 2 hrs

1. अधोलिखितेषु यथेच्छं प्रश्नद्वयस्य संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या च उत्तरं प्रदेयम्।

5X2=10

Group-A

(किरातार्जुनीये प्रश्नाः)

प्रश्नद्वयं समाधेयम्

- किरातार्जुनीयम् इति काव्यं केन विरचितम्? काव्येऽस्मिन् कति सर्गाः विद्यन्ते? 2
- क्रियापवर्गेष्वनुजीविसात्कृताः इति पदस्य सन्धिविच्छेदः क्रियताम्। 2
- केन प्रकारेण दुर्योधनः धर्मविप्लवं निवारयति? 2

Group-B

(कुमारसम्भवे प्रश्नाः)

प्रश्नद्वयं समाधेयम्

- 'वदन्त्यपर्णोति च तां पुराविदः'----- अत्र 'अप' 'र्ण' इति पदस्य तात्पर्यं लिख्यताम्। 2
- 'अनेन धर्मः सविशेषमद्य मे त्रिवर्गसारः प्रतिभाति भाविनि'----- अत्र 'त्रिवर्गः' इत्यनेन कस्य किमभिप्रेतम्? कस्मै कथम् एवं प्रतिभाति? 2
- 'मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवताः'..... कस्या उक्तिरियम्? अस्या विवक्षितार्थः कः? 2

Group-C

(छन्दोमञ्जर्यां प्रश्नाः)

प्रश्नद्वयं समाधेयम्

एकस्य प्रश्नस्योत्तरं देयम्।

- गङ्गादासमतानुसारम् उपेन्द्रवज्रा-छन्दसः लक्षणम् उद्ध्रियताम्। 2
- कति गणाः? के च ते? 2

2. यथाभिलषितं प्रश्नचतुष्टयस्य समाधानं संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या कर्तव्यम्।

5X4=20

Group-A

(किरातार्जुनीये प्रश्नाः)

यथाकामम् एकस्य श्लोकस्य व्याख्या कार्या।

- क) स किं सखा साधु न शास्ति योऽंधेपं
हितान्न यः संशृणुते स किंप्रभुः।
सदाऽनुकूलेषु हि कुर्वते रतिं
नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥
- ख) अबन्ध्यकोपस्य विहन्तुरापदां
भवन्ति वश्याः स्वयमेव देहिनः।
अमर्षशून्येन जनस्य जन्तुना
न जातहार्देन न विद्विषादरः॥

Group:- B

(कुमारसम्भवे प्रश्नाः)

यथाकामम् एकस्य श्लोकस्य व्याख्या कार्या।

- क) यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहै-
र्जटाभिरप्येवमभूत्तदाननम्।
न षट्पदश्रेणीभिरेव पङ्कजं
सशैवलासङ्गमपि प्रकाशते ॥
- ख) कृताभिषेकां हुतजातवेदसं
त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम्।
दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन्
न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ॥

Group-C

(छन्दोमञ्जर्या प्रश्नाः)

ड) गङ्गादासमतानुसारिणी व्याख्या कार्या मालिनी अथवा मन्दाक्रान्ता। 5

च) गङ्गादासमतानुसारं छन्दोनिरूपणं क्रियताम्— $2.5 \times 2 = 5$

a. कृष्णसर्पशिशुनेव चन्दनः। 2.5

अथवा

हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः। 2.5

b. प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा 2.5

अथवा

सहसा न विदधीत क्रियाम्। 2.5

3. यथेच्छम् एकस्य प्रश्नस्य समाधानं कर्तव्यम्। $10 \times 1 = 10$

क) "स वर्णिलिङ्गी विदितः समाययौ"----- कस्तावद् वर्णिलिङ्गी?

किरातार्जुनीयमनुसृत्य तस्य वचनस्य स्वरूपं विस्पष्टं व्याख्येयम्।

ख) सोदाहरणं व्याख्येयम् - 'भारवेरर्थगौरवम्'।

ग) पार्वती कथं तपश्चरितुम् इयेष? कुमारसम्भवस्य पञ्चमसर्गानुसारं पार्वत्याः

तपस्यास्वरूपं विशदं प्रतिपाद्यताम्।

Saltora Netaji Centenary College

B.A Semester I(Hons) Examination 2019 (Test)

Sanskrit

Subject Code: 10902

Course code: AHSNS/102C-2

Course Title- Classical Sanskrit Literature (prose)

Full Marks- 40

Time- 2 hrs

निम्नलिखितप्रश्नेषु यथेच्छं द्वयोः प्रश्नयोः संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या
च उत्तरं प्रदेयम्।

Group - A

(राजवाहनचरिते प्रश्नाः)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। $2 \times 2 = 4$
 - a. राजवाहनचरितोल्लिखितानां दश-कुमाराणां नामानि लिख्यन्ताम्।
 - b. 'मुक्तकण्ठमाचक्रन्द राजकन्या' – राजकन्या का? कथं सा अक्रन्दत्?
 - c. चण्डपोतः क आसीत्?

Group - B

(कादम्बर्याः कथामुखे प्रश्नाः)

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। $2 \times 2 = 4$
 - a. शूद्रकः क आसीत्?
 - b. कादम्बरीति गद्यकाव्यस्य उत्सः कः? अस्य काव्यस्य रचनाकारः कः?

c. कादम्बरीशब्दस्य कः अर्थः? कादम्बर्या उत्तरार्द्धस्य रचयिता कः ?

Group - C

(शुकनासोपदेशे प्रश्नाः)

3. अधोलिखितयोः द्वयोः प्रश्नयोः मध्ये एकस्य प्रश्नस्य उत्तरं प्रदेयम्। (2x1=2)

a. शुकनासः क आसीत्? तस्य पुत्रस्य किं नाम आसीत् ?

b. 'त्वगन्तरिततृतीयलोचनं स्वललाटमाशङ्कते' - अस्याः उक्तेः तात्पर्यं लिख्यताम्।

4. अधस्थेषु चत्वारः गद्यांशाः सरलसंस्कृतभाषया देवनागरलिप्या च व्याख्यायन्ताम्। (5x4 =20)

Group - A

(राजवाहनचरिते प्रश्नाः)

1) अधस्थेषु द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं लेख्यम्। (5x2 =10)

a. स्मर तस्या हंसगामिनि हंसकथायाः। सहस्व वासु मासद्वयम् । - इति व्याख्यायताम्।

b. अवसितश्च ममाद्य शापः। तच्च मासद्वयं तव पारतन्त्र्यम्। - इति व्याख्यायताम्।

c. दयित त्वत्प्रसादादद्य मे चरितार्था श्रोत्रवृत्तिः। अद्य मे मनसि तमोऽपहस्त्वया दत्तो ज्ञानप्रदीपः। - इति व्याख्यायताम्।

Group - B (कथामुखे प्रश्नौ)

1) अधस्थयोः प्रश्नयोः एकस्य प्रश्नस्य उत्तरं लेख्यम्। 5x1 =5

a. यस्य च परलोकाद्भयम्, अन्तःपुरिकाकुन्तकेषु भङ्गः, नूपुरेषु मुखरता, विवाहेषु करग्रहणम्, अनवरतमखाग्निधूमेनाश्रुपातः, तुरगेषु कथाभिघातः, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्। - इति सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्।

b. सुभटोरः कपाटविघटित-कवचसहस्रान्धकार-मध्यवर्तिनी करि-करल-गलित-मदजलासार-दुर्दिनास्वभिसारिकेव समरनिशासु समीपमसकृदगात् राजलक्ष्मीः। - इति सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्।

Group - C

(शुकनासोपदेशे प्रश्नौ)

a. भवादृशा एव भवन्ति भाजनान्युपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनीकरगभस्तयो विशन्ति सुखेनोपदेशगुणाः। - इति सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्।

अथवा

मिथ्यामाहात्म्य-गर्वनिर्भराश्च न प्रणमन्ति देवताभ्यः। न पूजयन्ति द्विजातीन्। न मानयन्ति मान्यान् नार्चयन्त्यर्चनीयान्। - इति सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्।

5. अधोनिर्दिष्टेषु एकस्य प्रश्नस्य उत्तरं लेख्यम्। 10x1=10

- a. राजवाहनः क आसीत्? राजवाहनचरितम् इत्यस्य अनुसारेण राजवाहनचण्डवर्मणोः चरित्रयोः तुलनात्मकालोचना कार्या।
- b. बाणोच्छिष्ट जगत्सवम् इति भवतः पाठ्यक्रमानुसारेण व्याख्यायताम्।
- c. कथामुखम् आश्रित्य शूद्रकस्य माहात्म्यमालोच्यताम्। -

Saltora Netaji Centenary College

B.A. Test Examination- 2021-22

Sanskrit (Honours)

Course ID-50911

Course Code-AH/SNS/501C-11

Course Title : Sanskrit Grammar

Time 2 Hourse.

Full Manks-40

① अधोस्थितेषु प्रश्नानाम् यथेच्छं पञ्चानाम् उत्तराणि लेखनीयानि।

- करणकारकस्य संज्ञा का भवति ? उदाहरणं देयम् ?
- सदृशब्दयोगेन का विभक्तिः भवति ? प्रासङ्गिकसूत्रम् उदाहरणसहयोगेन लिख्यताम्।
- प्रासङ्गिकसूत्रम् उल्लिख्य प्रातिपदिकस्य संज्ञा देयम्।
- 'पृष्ठेन कुब्जः वालकः' - इत्यत्र रेखाङ्कितपदे केनसूत्रेण का विभक्तिः विद्विता ?
- उपसर्जनम् किम् ?
- नित्यसमासः कः? स च कतिविधः ?
- षष्ठीसमासस्य निषेधविधायकम् वाक्तिकम् किम् ? उदाहरणं ददातु ?
- व्यतिहार - वहव्रीहिसमासविधायकम् सूत्रम् किम् भवति ? उदाहरणं प्रदेयम् ?

2) यथेच्छं चतुर्णां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत ।

a) 'स्मृहेरीप्सितः'

अथवा 'विशेषणं विशेष्येण बहुलम्'

b) व्याख्यायताम्- 'अभिधानं तु प्रायेण तिङ्कृतद्वितसमासैः।

अथवा

• 'समासश्च चतुर्विधः दूति तु प्रायोवादः'

c) यथेच्छमेकं रूपसिद्धिः कार्या।

'केशाकेशि'

अथवा

निर्मक्षिकम्

d) एकस्य व्याख्या कार्या- 'यतश्च निधर्धारणम्'

अथवा

'सह सुपा'

e) यथेच्छमेकं रूपसिद्धिः कार्या।

'मातापितरौ'

अथवा

'वीणापाणि'

3) यथेच्छमेकः प्रश्नः समाधेयः।

a) सम्प्रदानकारकविधायकानि सूत्राणि उदाहरणसहयोगेन व्याख्यायताम्।

b) 'का नाम पदविधिः? पदविधिम् आश्रित्य कश्चन निबन्धः लेख्यः।

c) कः कर्मप्रवचनीयः ? कर्मप्रवचनीययुक्ते का विभक्तयो भवन्ति ? कर्मप्रवचनीयानां स्वरूपं - सूत्रसहयोगेन आलोच्यताम्?

Saltora Netaji Centenary College

BA Test Examination 2021-22

Sanskrit (Honours)

Course Code - AH/SNS
501C-11

Course ID - 50911

Sl.	NAME OF THE STUDENTS	ROLL NO	FULL MARKS	MARKS
1.	Puja Puja Mondal	210	40	35
2.	Rajal Karmakar	203	40	32
3.	Raju Goswai	207	40	29
4.	Debasish Mondal	206	40	13
5.	Rumpa Bawri	192	40	13
6.	Amneja Khatun	683	40	10
7.	Tinku Chatterjee	223	40	08
8.	Purnajit Soren	201	40	01
9.	Moumita Mondal	188	40	07
10.	Prityanka Paramanik	216	40	05
11.	Pritya Das	187	40	05
12.	Sukanya Sen Gupta	215	40	04
13.	Sesmita Sornita Mahato	221	40	09
14.	Rakhi Karmakar	193	40	10
15.	Mahima Khatun	684	40	07
16.	Srikanta Hembram	218	40	04
17.	Mamata Patra	194	40	00
18.	Babli Acharyee	219	40	00



Kousik Patra
Department of Sanskrit
Saltora Netaji Centenary College
P.O.-Saltora, Dist.-Bankura

B.A. 1st Semester (Honours) Test Examination 2022-23

SANSKRIT

Course ID : 10911

Course Code: AHSNS-101C-1

Course Title : Classical Sanskrit Literature (Poetry) and Chanda

Time : 2 Hours

Full Marks: 40

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

1. अधोनिर्देशानुसारं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। तेषु अवश्यमेव यथेच्छं प्रश्नद्वयस्य उत्तरं संस्कृतभाषायां देवनागरलिप्या च प्रदेयम्।
5x2 = 10

Group - A

(किरातार्जुनीये)

प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

2x2 = 4

- (a) 'किरातार्जुनीयम्' इति काव्यं केन विरचितम्? काव्येऽस्मिन् कति सर्गाः सन्ति?
(b) 'न विव्यधे तस्य मनोः' - अत्र वक्ता कः? अस्य भावार्थः कश्च?
(c) 'क्रियापदवर्गेष्वनुजीविसात्कृताः' - इत्यस्य सन्धिविच्छेदः विधेयः।

Group - B

(कुमारसम्भवे)

प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

2x2 = 4

- (a) 'कुमारसम्भवम्' इति महाकाव्यस्य प्रसिद्धः टीकाकारः कः? कश्च टीकाग्रन्थः?
(b) 'वदन्त्यपणोति च तां पुराविदः' का किमर्थम् अपर्णा इति अभिहिता?
(c) 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' वाक्यस्यास्य कः भावार्थः?

Group - C

(छन्दोमञ्जर्याम्)

एकः प्रश्नः समाधेयः।

2x1 = 2

- (a) गङ्गादासमतानुसारं 'उपेन्द्रवज्रा' इति छन्दसः लक्षणं लिख्यताम्।
(b) यतेः लक्षणं प्रदेयम्।

2. अधोनिर्देशानुसारं सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः। तेषां समेषाम् एव उत्तरं संस्कृतभाषायां देवनागरलिप्या च लेख्यम्।

Group - A

(किरातार्जुनीये)

यथेच्छम् एकस्य श्लोकस्य व्याख्या कार्या

5x1 = 5

- (a) स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं

हितान्न यः संशृणुते स किंप्रभुः।

- सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं
 नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥
 (b) तथापि जिह्वाः स भवज्जिगीषया
 तनोति शुभं गुणसम्पदा यशः।
 समुन्नयन् भूतिमनार्यसङ्गमाद्
 वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः॥

Group - B

(कुमारसम्भवे)

यथेच्छम् एकस्य श्लोकस्य व्याख्या करणीया।

5×1 = 5

- (a) मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवता
 स्तपः क्व वत्से क्व च तावकं वपुः।
 पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं
 शिरोषपुष्पं न पुनः पतत्रिणः॥
 (b) कृताभिषेकां हुतजातवेदसं
 त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम्।
 दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन्
 न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते॥

Group - C

(छन्दोमञ्जर्याम्)

- (a) एकमाश्रित्य टीका लेख्या।
 (i) वंशस्थविलम् (ii) मालिनी
 (b) अधोनिर्दिष्टेषु चरणद्वयस्य छन्दोनिरूपणं कार्यम्।
 (i) एवमाश्रमविरुद्धवृत्तिना
 (ii) न विवृतो मदनो न च संवृतः।
 (iii) कृष्णसर्पशिशुनेव चन्दनः।
 (iv) प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।

5×1 = 5

2.5×2 = 5

3. अधोलिखितेषु एकस्य प्रश्नस्य उत्तरं लेख्यम्।

10×1 = 10

- (a) 'किरातार्जुनीयम्' इति महाकाव्यमनुसृत्य दुर्योधनस्य राज्यशासनपद्धतिः आलोचनीया।
 (b) कुमारसम्भवस्य पञ्चमसर्गानुसारं पार्वत्याः तपस्यास्वरूपं विशदं प्रतिपाद्यताम्।
 (c) सोदाहरणं व्याख्येयम्-'भारवेरर्थगौरवम्'।

B.A 1st Semester (Honours) Test Examination 2022-23
SANSKRIT

Course ID: 10911

Course Code: - AHSNS-101C-1

SL	Name Of The Students:	Roll	Full Marks	Marks
1.	Rajib Karimakar	710	40	26
2.	Samchita Layek	712	40	13
3.	Barimali Mondal	698	40	18
4.	Sujata Goyal	714	40	02
5.	Mampi Sharma	705	40	13
6.	Payel Majhi	709	40	14



Kousik Patra
H.O.
Department of Sanskrit
Saltora Netaji Centenary College
P.O.-Saltora, Dist.-Bankura



ESTD.-2000

Countersigned on verification with date

26
240

~~30~~
~~40~~

SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

SALTORA, BANKURA-722158

..... Examination, 20²² - 23

Name Rajib Karmakar
Year _____ Semester (I) Roll No. 710
Subject Sanskrit Hons./Gen. Paper (C-1)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

The candidate must write his/her name/Roll no. and the other necessary details in the above mentioned blank spaces of the Answer script.

All answers intended for the Examiner must be written on both sides of the pages of the book and NOT on one side only. Pencil may be used for sketching drawing/labelling.

No loose paper will be provided for scribbling and no paper is to be brought in for this purpose. Any candidate found with incriminating documents in his/her possession will be EXPELLED. All work must be done in the book provided and the pages of the book must not be torn out. The book provided must be submitted. It cannot be replaced by another but if necessary additional pages will be given. A few pages of the book may be used for making notes or calculations but when such notes and calculations are made they must be struck out by drawing a line through each page so used from top to bottom.

Candidates are forbidden to write answers (or anything else) on the question papers etc.

No candidate will be allowed to leave the room until an hour has elapsed from the time when the question papers are given out.

Question No.-																		Total
Marks-																		

Examiner's Signature Kausik Patra

(a) "स किंश्चा साधु न शक्ति योऽधिवं
द्वितान्न यः संशृणुते स किंप्रभुः"
..... अविश्वतः " ॥

उत्तरः → महाकविः शार्वेः 'किराताकुनीयम्' इति
महाकाव्यस्य प्रथमं श्लोकं अयं श्लोकः अस्ति । प्रथमं समीप्य
नाम 'वनेचरः सभागमः' ।

प्रश्नः → राज्ञः अधिष्ठितः वृषो धनस्य राजशासनस्य
- पद्धतिं ज्ञातुं एकं वनेचरं पश्येत् निष्कृतवान् । यः
वनेचरः सर्वं ज्ञात्वा अधिष्ठितस्य समीपे आगत्य इदं
वक्तव्यं वाक्यं उक्तवान् ।

व्याख्या → राजानः चारचक्षुषो एव । राजानः अनुचयान्
प्रीतिं निर्भरशीलाः । यदुक्तं - " गविः पश्याति गन्धेन,
वेदैः पश्याति पण्डिताः, चरैः पश्याति राजानः, चक्षुष्याम्
दूतैः जनाः " इति । द्वितीयैः सर्वा तेषां प्रभुः
मह्यं वदति । परन्तु यदि कश्चित् प्रभुं मिथ्या वदति
यः प्रभुं सदुपदेशं न वदति सः किंश्चा । पुनः
यः प्रभुः द्वितीयैः जनात् सदुपदेशं न श्रुनोति सः
किंप्रभुः । इति अस्य वाक्यासा शारः ।

अलंकारः छंदः च → अस्मिन् श्लोके 'वंशस्थविलम्ब' नाम
छंदः अर्थान्तरन्यासः अलंकारः च विद्यते ।

(6) "कृताभिषेकां..... समीक्षते" ॥

→ उत्तरः → महाकविः कालिदासस्य 'कुमारसम्भवम्' इति
महाकाव्यस्य प्र पञ्चम सर्गे अयं अक्षरः श्लोकः अस्ति ।
पञ्चम सर्गस्य नाम - 'पार्वत्याः तपः फलोदयः' ।

प्रेरणा → विमाला कन्या पार्वती पारिवर्षेण महादेवं प्राप्तुम्
बुद्ध्यति स्म । परन्तु तस्याः बुद्ध्या भग्ना अभवत् । तपस्याकाले
आ सर्वेषां अनुकूलयोग्या अभवत् । इति अनेन श्लोकेन
प्रीतिपादितम् ।

व्याख्यः → वृद्धः जनः सर्वदा श्रेष्ठेयः भवति । परन्तु यदि
कीञ्चित् तद्वृत्तः ज्ञानवृद्धः भवति तदा सः अपि सर्वेषां
माननीयः भवेत् । विमाला कन्या पार्वती गौरीशिवे
तपस्वरणं कृतवती । तस्याः भक्त्यस्य आधरणं दृशनियोग्यम्
आसीत् । तस्याः आचरणं त्रुष्टं ह्य ऋषयः तत्र आगच्छन्ति
स्म ।

पार्वती क्वचित् नवीना आसीत् । तथापि तस्याः
आचरणं शिदितुं प्रवीणाः आगच्छन्ति स्म । यतः धर्मवृद्धस्य
वयः कदापि न विचारनीयम् ।

अलंकारः छन्दः च
आस्मिन् श्लोके 'तंशस्थविलम्' नाम
छन्दः अर्थान्तरमासः अलंकारः च विद्यते ।

(७):-

(ii) मालिनी :-

॥ लक्षणम् :-> आचार्यः गङ्गादासः तस्य छन्दोमञ्जरी नाम छन्दोग्रन्थे 'मालिनी' छन्दः लक्षणे उक्तवान् -

"ननमथययुतेयं मालिनी भोजि लोकेः"

॥ लक्षणस्य गण निर्णय :->

न न म म य य युतेयं मालिनी भोजि लोकेः

॥ लक्षणविवक्षेणम् :->

यस्य चरस्थ चरण विवक्षेणेन प्रति चरणे यथाक्रमेण 'म, न, म, य, य' इति गणाः विद्यन्ते तत्र मालिनी नाम समवृत्तं स्यात् । अत्र पञ्चदश अक्षराणि सन्ति ।

यतेः स्वरम् :-> गङ्गादासेन यतेः चिह्नं न प्रदत्तम् ।

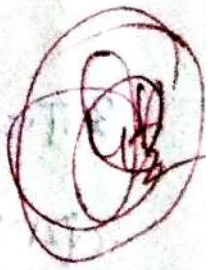
अत्र मया ताश्चकित्वेन यतेः स्थानं मया निर्विण्म् ।

अस्मिन् छन्दोसि प्रथमं अष्ट अक्षरेण्यः परं ततः

सप्तः अक्षरेण्यः परं यतिः भवति ।

उदाहरण :->

संति अग्नं विहारि कल्पधांसकारी
दशाशतं कथयारी ज्योतिषा मध्यगारी
विद्ययैवि विधिभिगात मस्थते राहुनीशो
लिखितम् अपि ललाटे प्रोक्षितं कं सम्यः



उदाहरण विश्लेषणम् :- उक्त श्लोकस्य चरण विश्लेषणेन प्रति चरणे प्रथाक्रमे 'न, न, म, य, य' इति गणाः विद्यन्ते । तत्र भालिनी नाम समवृत्तं स्यात् । अस्मिन् श्लोके प्रति चरणे पञ्चदश अक्षराणि सन्ति । अतः आपार्षस्य मङ्गलवासस्य लक्षणानुसारेण अत्र भालिनी नाम समवृत्तं स्यात् ।

(47)

(b) :-

(i) $\begin{matrix} \text{म} & \text{भ} & \text{भ} & \text{र} \\ \text{उ} & \text{उ} & \text{उ} & \text{उ} \\ \text{म} & \text{विपुतो} & \text{भवतो} & \text{म-य} \end{matrix} \Big| \text{संवृतः}$

(2)

→ उक्त श्लोकस्य चरण विश्लेषणेन प्रति चरणे प्रथाक्रमे 'म, भ, भ, र' इति गणाः विद्यन्ते । अतः अत्र वृत्तविलाम्बित नाम समवृत्तं स्यात् । तस्य लक्षणं यथा - "वृत्तविलाम्बित-माह मभौ भरो" । अत्र द्वादश अक्षराणि सन्ति ।

(ii) $\begin{matrix} \text{र} & \text{म} & \text{र} & \text{ल} & \text{म} \\ \text{उ} & \text{उ} & \text{उ} & \text{उ} & \text{उ} \\ \text{कृष्णसपिथिष्णिव} & \text{चोमिनः} & & & \end{matrix}$

→ उक्त श्लोकस्य चरण विश्लेषणेन प्रति चरणे प्रथाक्रमे 'र, म, र, ल, म' इति गणाः विद्यन्ते । अतः अत्र 'रथोद्धता' नाम समवृत्तं स्यात् । तस्य लक्षणं यथा - "शतपरेर्नरलो रथोद्धता" । अत्र एकादश अक्षरविशिष्टं समवृत्तम् ।

(2)



ESTD -2000

Countersigned on verification with date

18/40

SALTORA NETAJI CENTENARY COLLEGE

SALTORA, BANKURA-722158

..... Examination, 20.....

Name Banwali Mondal
Year 1st Semester Roll No. 698
Subject Sanskrit Hons./Gen. Paper

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

The candidate must write his/her name/Roll no. and the other necessary details in the above mentioned blank spaces of the Answer script.

All answers intended for the Examiner must be written on both sides of the pages of the book and NOT on one side only. Pencil may be used for sketching drawing/labelling.

No loose paper will be provided for scribbling and no paper is to be brought in for this purpose. Any candidate found with incriminating documents in his/her possession will be EXPELLED. All work must be done in the book provided and the pages of the book must not be torn out. The book provided must be submitted. It cannot be replaced by another but if necessary additional pages will be given. A few pages of the book may be used for making notes or calculations but when such notes and calculations are made they must be struck out by drawing a line through each page so used from top to bottom.

Candidates are forbidden to write answers (or anything else) on the question papers etc.

No candidate will be allowed to leave the room until an hour has elapsed from the time when the question papers are given out.

Question No.-																		Total
Marks-																		

Examiner's Signature Rousik Padra

GROUP - A

1 1/2

1) (a) किराताजुतीयम इति काव्यमहाकवि भारवि विरचितस्य, किराताजुतीयम, इति काव्ये अष्टादशा सर्गाः सन्ति ।

(b) न विद्यये तस्य भवे - उरे डेडिडि रहु इल्लव रत्नर उरे डेडिडि जाडपत्र रत्न - तिवि दूत्वारित्वर त्राडडगाअत्र रडरड्या त्मत्तवत जा रत्नत्त जात्र त्रव रडरिड रत्नति ।

1 1/2

GROUP - B

(c) कुमारभारवसु इति महाकाव्यस्य प्रसिद्धः टीकारार नाट्य-मञ्चिनाथ टीकाग्रन्थ - सञ्जीवनी

GROUP - C

2

(d) उपेन्दुवज्रा इति छन्दसः लक्षणं - उपेन्दुवज्रा प्रथमे लघौ सा ।

1

GROUP - A

(a) उत्स -> श्लोकस्य महाकवि भारवि किराताजुतीयम, विरचितस्य किराताजुतीयम महाकाव्यस्य प्रथम सर्गात् (संग्रतः) ।

प्रसङ्ग -> प्रभुव फधिचिरं प्रति दूनस्थ वत्सिचरस्य वचनस इदम् ।

वाक्या -> यः अधिपं साधू न सास्ति स किंसख, प्रद्वान्तरे यः हिनान न संरुणुते स किंप्रभुः । हि सदानुकुलेषु नृपेषु अमात्येषु च सर्वसम्पदः रतिब कुर्वन्ते । अनः मम वचनसत्वया

अलंकार → अत्र अर्थान्तरत्वाद् अलंकारः ।

• वृत्तम् → अत्र ~~वसंस्थविलं~~ वसंस्थविलं वृत्तम् ।

Group - B

6) उत्स → कालिदासस्य 'कुमारसम्भव' इत्याख्यस्य
पार्वति नपः फलौटयौ इति पञ्चमं संगीत उद्योगं
श्लोकः ।

प्रसन्न → विमालयस्य कन्या पार्वति मन्वादेवस्य पतिरूपेण
प्राप्तुम इच्छति

वाक्या → विमालयकन्या पार्वति पितुः अनूताम अधिगम्य
गौरिरिखरे संकठिनं नपञ्चरति पतिदितं यथाविधि
उत्सन्नं, कलकधारतं, हौमाग्नि आहूति प्रदानं,

अलंकार → अत्र अर्थान्तरत्वाद् अलंकारः ।

GROUP - C

वंशस्थविलम्

लक्षणम् -> वंशस्थविलम् इति छन्दसः प्रत्येकम् चरणे षाट्के वा यथाक्रमम् लक्षणप्रसङ्गे आचक्षते गङ्गादास-महोदयेन छन्दमङ्कुरि श्रुते उक्तम् -

वदन्ति वंशस्थविलम्, जतौ जरौ

अक्षरम् -> एकाद्वराअक्षरं विधिकम् ।

गणाः -> ज - त - ज - र - इति गणाः सन्ति ।

संज्ञा -> यस्मिन् छन्दसि प्रत्येकम् चरणे षाट्के वा यथाक्रमम् ज - त - ज - र - इति गणाः सन्ति । तथा द्वाद्वराअक्षराणि सन्ति । तत्र वंशस्थविलम् इति उच्यते ।

उदाहरणम् -> ~~सं किं किं सा/या साधु/त/रा लि/योऽपि प~~

यति -> यतः अस्य छन्दसः लक्षणे यति नितराकम् रूपं नास्ति । तथा षाट्काहले यतिः ~~सर्वत्र~~ किमपि

उदाहरणम् ->

(8) (22)

